Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-501

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December-2023

B.A. Darshan, Semester: Fifth

Darshan : Paper-I

Vedant Darshan

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(15×3=45)**

1. वेदाध्ययन में शूद्रों का अधिकार है या नहीं। वेदान्तदर्शनानुसार सिद्ध करें।

2. ''वैश्वानर'' शब्द से ब्रह्म ही वाच्य (अभिधेय) है। सिद्ध करें।

3. जगत् की उत्पत्ति में ''प्रकृतिस्वतंत्रकारणवाद'' का खण्डन वेदान्तदर्शनानुसार प्रतिपादित करें।

4. आत्मा के परिमाण का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

5. ''आनन्दमय'' शब्द ब्रह्म का वाचक है। सिद्ध करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (7) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (5) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पाँच** (5) प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. जगत् के जन्मादि का कारण ब्रह्म है। सिद्ध करें।

7. वेदान्तदर्शन में उपास्य कौन है? स्पष्ट कीजिए।

8. ''चमसवदविशेषाद्'' का तात्पर्य समझाइये।

9. ब्रह्म का जगत्–उत्पत्ति में क्या प्रयोजन है? स्पष्ट करें।

10. ''अभाव से भाव की उत्पत्ति नहीं होती है''– इस मत को वेदान्तदर्शनानुसार सिद्ध कीजिये।

11. ''आकाश की उत्पत्ति संभव है या नहीं''– ब्रह्मसूत्रानुसार सिद्ध कीजिये।

12. ब्रह्म, जीवात्मा को प्राप्त होने वाले सुख–दुःख से प्रभावित होता है या नहीं। स्पष्ट करें।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-502

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December-2023

B.A. Darshan, Semester: Fifth

Darshan : Paper -I

Mimansa Darshan

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(15×3=45)**

1. मीमांसादर्शन के अनुसार शब्द के नित्यत्व को सूत्र सहित समझाएं।

2. मीमांसादर्शनानुसार वेद पौरुषेय है अथवा अपौरुषेय। समझाएं।

3. धर्म के अस्तित्व में प्रत्यक्षादि प्रमाण प्रवृत्त होता है या नहीं। धर्म के अस्तित्व में क्या प्रमाण है? स्पष्ट कीजिए।

4. ''वायुर्वैक्षेपिष्ठा देवतादि'' अक्रियार्थक वाक्य की निरर्थकता मीमांसा दर्शनानुसार सिद्ध करें।

5. शब्द के अनित्यत्व में पूर्वपक्षी का मत मीमांसादर्शनानुसार सूत्रसहित विस्तारपूर्वक प्रतिपादित करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (7) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (5) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पाँच** (5) प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. ''वेदम् अधीत्य स्नायात्'' विधिवाक्य का समन्वय करें।

7. ''विद्या प्रशंसा'' इस सूत्र का सप्रसंग वर्णन करें।

8. मीमांसा दर्शनानुसार धर्म के लक्षण क्या हैं?

9. एक वर्ण के स्थान पर अन्य वर्ण का प्रयोग विकार है या आदेश। सिद्ध करें।

10. ''शास्त्र दृष्टविरोधाच्च'' इस सूत्र का वर्णन मीमांसा दर्शन के अनुसार करें।

11. पदार्थज्ञान से वाक्यार्थ ज्ञान संभव है या नहीं? स्पष्ट करें।

12. ''आदित्यवद्यौगपद्यम्'' सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-503

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

B.A. Darshan, Semester: Fifth

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : तृतीय

संस्कृतव्याकरण–IX

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. निम्नलिखित सूत्रों के अर्थ लिखें और उदाहरण बताएं।
   (1) ऋत उत्। (2) ङसिङसोश्च। (3) ऐङ्ह्रस्वात् सम्बुद्धेः।
   (4) ह्रस्वस्य गुणः। (5) आण्नद्याः।
2. 'रामान्' और 'कर्तुः' शब्दों को सुत्रार्थ सहित सिद्ध करें।
3. 'अर्थान्तरन्यास' अलंकार की विस्तृत व्याख्या करें।
4. नैतल्लघ्वपि. .....। श्लोक पूरा करें और इससे सम्बन्धित अलंकार की व्याख्या करें।
5. शब्दरूप लिखें :-
   (1) कन्या (षष्ठी विभक्ति) (2) सोमपा (नपु. द्वितीया विभक्ति।
   (3) वेदि (सप्तमी विभक्ति) (4) अस्थि (चतुर्थी विभक्ति)
   (5) परिभू (षष्ठी विभक्ति)

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. अयं मार्तण्डः किम्? .....। श्लोक पूरा करें और छन्द बतायें।
7. 'भ्रान्तिमान' अलंकार के लक्षण और उदाहरण लिखें।
8. 'अस्थ्नः' शब्द सिद्धि करें।
9. ऐकारान्त और ओकारान्त शब्दों के रूप लिखें।
10. सुत्रार्थ लिखें :- (1) ऋतो ङिसर्वनामस्थानयोः। (2) रात्सस्य।
11. वंशस्थ छन्द का लक्षण लिखें ओर एक उदाहरण दें।
12. वधु (शब्द के षष्ठी एकवचन) की सिद्धि करें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-504

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

B.A. Darshan, Semester: Fifth

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ

संस्कृतव्याकरण–X

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. तयोरेव कृत्यक्तखलर्थाः, अचो यत्, एतिस्तुशास्वृदृजुषः क्यप्, कर्मण्यण्, अधिकरणे शेतेः, द्विषत्परयोस्तापेः तथा चोः कुः सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहण दें।
2. ण्वुल्तृचौ, विभाषा कृतृषोः, ई च खनः, पोरदुपधात्, कृत्तद्धितसमासाश्च, चरेष्टः तथा ग्लाजिस्थश्च क्स्नुः' सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहरण दें।
3. तिङ्शित् सार्वधातुकम्, शकिसहोश्च, पदरुजविशस्पृशो घञ्, पाघ्राध्माधेट्दृशः शः, आतो युक् चिण्कृतोः, गापोष्टक् तथा क्तक्तवतू निष्ठा सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहरण दें।
4. ईद्यति, शास इदङ्हलोः, मृजेर्विभाषा, आसुयुवरिपिलपित्रपिचमश्च, गस्थकन्, ञीतः क्तः तथा भविष्यति गम्यादयः सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहरण दें।
5. कर्तरि कृत्, केलिमर उपसंख्यानम्, ऋदुपाधाच्चाक्णृपिचृतेः, आतश्चोपसर्गे, सृ स्थिरे, दृशेः क्वनिप् तथा शामित्यष्टाभ्यो घिनुण् सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहरण दें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. आर्धधातुकं शेष, णेरनिटि तथा सुवि स्थः सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहरण दें।
7. ह्रस्वस्य पिति कृति तुक्, हरतेर्दृतिनाथयोः पशौ तथा परिमाणे पचः सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहरण दें।
8. आतो लोप इति च, ऋहलोर्ण्यत् तथा त्रसिगृधिधृषिक्षिपेः क्नुः सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहरण दें।
9. तव्यत्तव्यानीयरः, वदः सुपि क्यप् च तथा इगुपधज्ञाप्रीकिरः कः सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहरण दें।
10. वाऽसरूपोऽस्त्रियाम्, न धातुलोप आर्धधातुके तथा प्रियवशे वदः खच् सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहरण दें।
11. धातोस्तन्निमित्तस्यैव, शिल्पिनिष्वुन् तथा व्रते सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहरण दें।
12. अग्नौ चेः, सप्तम्यां जनेर्डः तथा अपे च लषः सूत्रों के अर्थ तथा दो-दो उदाहरण दें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-505

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

B.A. Darshan, Semester: Fifth

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : पंचम

संस्कृत साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. छान्दोग्योपनिषद् में वर्णित देव-असुर संग्राम विषय को न्यूनतम तीन मन्त्र उद्धृत करते हुये स्वशब्दों में वर्णित करें।
2. छान्दोग्योपनिषद् में वर्णित प्रातः सवन, माध्यन्दिन सवन व तृतीय सवन का विस्तृत वर्णन करें।
3. ऋग्, यजु, साम के मन्त्र पाठ में त्रुटि होने पर उसकी क्षति पूर्ति हेतु किन मन्त्रों से आहुती दें, सप्रमाण प्रस्तुत करें।
4. श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित दैवी तथा आसुरी सम्पत् का प्रारम्भिक पांच श्लोकों का प्रमाण देते हुये वर्णन करें।
5. त्रिविध आहार एवं त्रिविध यज्ञ का श्लोक प्रमाणपूर्वक विस्तार से वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. राजा अश्वपति के पास पहुँचे जिज्ञासु वैश्वानर आत्मा के किन-किन अंशों की उपासना करते थे संक्षेप में वर्णन करें।
7. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार सत् व असत् कर्म की व्याख्या प्रमाणपूर्वक करें।
8. मनुष्य का नाश करने वाले त्रिविध दोष कौन-कौन से हैं? सप्रमाण व्याख्या करें।
9. तस्माच्छास्त्रं ..... इस श्लोक की पूर्ति करते हुये व्याख्या करें।
10. भगवान् किन्हें आसुरी योनि में भेज देते हैं? श्लोक सहित प्रमाणपूर्वक व्याख्या करें।
11. नारद-सनत्कुमार सम्वाद के परिणाम का वर्णन प्रमाणपूर्वक करें।
12. एषां भूतानां पृथिवी रसः ..... मन्त्र को पूर्ण करके उसकी व्याख्या करें।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BV-505
BD-506

University of Patanjali

Examination December–2023

B.A. Vyakaran, Semester: Fifth
B.A. Darshan, Semester: Fifth
English
Communicative English

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

Note: This paper is of seventy (70) marks divided into two (02) sections A, and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

Section - A
(Long Answer Type Questions)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. **(3×15=45)**

1. Provide a summary of the story "My Mother".
2. Outline the main ideas of the story "The Doctor's Word".
3. Write an essay about "The Importance of Education".
4. Describe the importance of Ayurveda and P.P. Acharya Balkrishan Ji's contributions in this field.
5. Give a brief overview of any one –
   (A) Major Dhyan Chand Or (B) Helen Keller's Achievements.

Section - B
(Short Answer Type Questions)

Note: Section 'B' contains Seven (07) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any **five** (05) questions. **(5×5=25)**

6. Write about the achievements of Major Dhyan Chand in the field of Hockey.
7. Explain Aryabhatt's numerous contributions in the fields of Mathematics and Astronomy.
8. Summarize the story "The Spell" by Munshi Premchand.
9. Write an Introduction paragraph about yourself.
10. Describe Five Qualities that are necessary to be a good Team Leader.
11. What is the theme of "The Last Lesson", by Alphonse Daudet?
12. What is required for Effective Communication and in what ways does it support personal and professional growth? Write in detail.

----------x----------